

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

मानने पाए गयाकार सुननाहार तीव्रता
प्रैवाचनीयता में आगे रहे हों। विषय वाले न
में नहीं आगे विविधता में आगे रहे।
ग्रन्थकार निर्माण पर जुटी भूल ने काम
शुरू कर दी तो एक तात्पुरता एवं विजाति
आवश्यकता करते विसर्ते दर्शिता हो।



मात्र : ग्रन्थकारी
दृष्टव्य : ०५२२-०७८१-२४४२४३१
वैमानिक
३२४२४६२ (प्रस्तुत)
फोन : (०५२१-०७८१-२३३१७६८
E-mail : jurog_gwlgrediffmail.com
Website : <http://www.jwaji.edu/>

प्रीष्ठक :-
कृष्णपरिचय
जीवाजी विश्वविद्यालय
ग्वालियर

क्रमांक : उफ/सम्बन्ध/२०१२/ ५७०५

दिनांक : १३/१२/१२

// अधियूचन //

विश्वविद्यालय अधिविहार १९७३ वर्षे धारा २६(i)(v) एवं २४(xii) के अन्तर्गत कार्याधिकृत नीति
दैरेक्ट दिनांक ०७ अगस्त, २०१२ के पद क्रमांक (०२) में लिखितानुसार चौथी छात्रानं चिंह बुप्र ऑफ
कॉलेज, डिझी एवं बिन्क को संघ २०१२-१३ के लिये प्रस्तावित सचाविलेत वी.ए. प्रब्रह्म - (आ.पा., रिहाई,
लभागलपूर, उज्जीविताभ्यास), वी.एस.-वी. प्रब्रह्म - (आ.पा., शौक्रिक, रायपुर, झजित) प्राप्तज्ञान के लिये
असर्वांग नववक्तव्य लिख लाई थी वाय यह प्रदान वर्ती लाती है।

शर्तो/प्रतिवेद्य :-

- प्रतिवेद्यम् २८(१७) का यात्रन कर रु काह के अवतर्णीत विश्वविद्यालय को सूचित करें।
- प्रतिवेद्यम् २८(१७) के अवतर्णीत प्राप्तानि, शैक्षणिक, अर्थशास्त्रिक, व्रीडा लिक्षक एवं पुस्तकालय
हेतु द्वारा की लिखित का नाम के अवतर्णीत की जावे।
- पुस्तकालय हेतु रु. ५०,०००/- की पुस्तकें क्रम की जावे।
- प्रयोगशालाओं हेतु रु. एक लाख के उपकरण क्रय किए जावे एवं प्रयोगशालाएँ व्यवस्थित
की जावे।
- स्कैन का नैदान व्यवस्थित किया जावे।

सीट संख्या :-

वी.उ. - १००,

वी.एस.-वी. - ९०

अवेशानुसार
कुलसंचिव

प्रति,

- प्राप्तानि, चौथी छात्रानं चिंह बुप्र ऑफ कॉलेज, डिझी, बिंक
- आमुक, सध्यप्रदेश आठन, उच्च शिक्षा विभाग, संतपुत्रा भवन, ओपाता।
- दोनों अतिरिक्त संयोजक, सध्यप्रदेश आठन, उच्च शिक्षा विभाग, ग्वालियर-वंडल रामान, गोती भवन
प्रदिवक, नवारियर।
- उप-तुलसामीव नियंत्रण विभाग, ग्वालियर।
- अधीक्षक, पटीका क्रम क्रमांक-०३, जीवाजी विश्वविद्यालय, जगन्नार वी.ओ.र सूप्रवार्ष एवं आपशक
कार्यवाही हेतु।

सदाचार कुलसंचिव (सम्बद्धता)